मनमोहन मेरे

तर्ज़:महबूब मेरे,महबूब मेरे

मनमोहन मेरे,मनमोहन मेरे
रहमत से तेरी मेरी जिंदगी है,
चरणों मेंअर्पण मेरी बंदगी है,
मनमोहन मेरे-------------।।

तुम्ही शब्द और तुम्ही अर्थ,
हो तुम्ही मेरे परमार्थ,
तुम्ही भाग्य और तुम्ही कर्म,
हो तुम्ही मेरे पुरुषार्थ,
मेरी भक्ति भी तुम्ही हो,
मेरी शक्ति भी तुम्ही,
मनमोहन मेरे-----------।।

तुम्ही स्नेह हो तुम्ही राग,
हो तुम्ही मेरे अनुराग,
तुम्ही भावऔर तुम्ही प्रेम,
हो तुम्ही भोग और त्याग,
मेरी उपवन भी तुम्ही हो,
और पराग भी तुम्ही,
मनमोहन मेरे-----------।।

तुम्ही सांस हो तुम्ही धड़कन,
हो तुम्ही प्राण आधार,
तुम्ही नयनऔर तुम्ही ज्योति,
हो तुम्ही बिपुल संसार,
मेरी सुबह भी तुम्ही हो,
मेरी सांझ भी तुम्ही,
मनमोहन मेरे------------।।

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक

Source:
https://www.bharattemples.com/manmohan-mere-rehmat-se-teri-meri-jindgi-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw